महात्मा गॉधी बालिका विद्यालय (पी.जी.) कॉलेज, फिरोजाबाद

कार्यशाला – रिपोर्ट

दिनांकः 27.02.2023

मैंटरिंग एवं काउन्सलिंग प्रकोष्ठ के द्वारा आयोजित कार्यशाला

महात्मा गाँधी बालिका विद्यालय (पी०जी०) कॉलेज फ़िरोज़ाबाद के तत्वावधान में नई शिक्षा नीति के अंतर्गत मैंटरिंग एवं काउन्सलिंग प्रकोष्ठ के द्वारा एक कार्यशाला उच्च शिक्षा में मैंटरिंग की प्रासंगिकता शीर्षक से दिनाँक 27 फ़रवरी 2023 को आयोजित की गई।

कार्यशाला का शुभारम्भ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ० अंजु शर्मा विषय विशेषज्ञ डॉ० अनुराग पालीवाल (एसो०प्रोफे०-इतिहास) आगरा कॉलेज आगरा) तथा डॉ० बी० आर० अम्बेडकर विश्वविद्यालय के मैंटरिंग एवं काउन्सलिंग प्रकोष्ठ की सदस्या डॉ० पूनम तिवारी (असि० प्रो०-मनोविज्ञान) के द्वारा माँ सरस्वती का माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ. साथ ही संगीत विभाग की छात्राओं कंचन मुस्कान निधि हिबा तथा सरिता द्वारा मधुर श्लोक गायन किया गया।

प्राचार्या और अतिथिगणों को असिस्टेंट प्रोफ़ेसर्स श्रीमती माया मधुर श्रीमती अंकिता ठाकुर श्रीमती निशा द्वारा पुष्प प्रदान कर स्वागत किया गया।

कार्यशाला की संयोजक तथा कोर्डिनेटर डॉ० निष्ठा शर्मा (असि० प्रो०-संगीत) ने कार्यशाला के शीर्षक का उन्मुखीकारण करते हुए कहा कि मेंटर यानि कि टॉर्च बियरर वो पथ प्रदर्शक जो शिष्टाचार संस्कार और नियमों के साथ अच्छे लक्ष्य और नैतिक मूल्यों के प्रति प्रोत्साहित करे। उच्च शिक्षा लेते समय विद्यार्थी ऐसी दहलीज़ पर होता है जब उसे अपना करीयर चुनना होता है। आज के दौर में रोज़गार में मुश्किलें हैं ऐसे में मेंटर उसके हुनर और क़ाबिलियत को समझकर रास्ता दिखाने में मदद कर सफलता की ओर उन्मुख करने का प्रयास करता है।

कार्यशाला के मुख्य विषय विशेषज्ञ डॉ० अनुराग पालीवाल जी ने प्रेरणात्मक कविता एवं उपनिषद से अपनी बात आरम्भ की और कहा की सदियों से भारत में गुरु जो शिक्षा देते आए हैं वही आज मेंटर नाम से सम्बोधित किए जा रहे हैं। माँ पिता आचार्य यानि कि गुरु जो अंधेरे से प्रकाश की ओर ले जाये वही मेंटर हैं। आपने कहा कि दर्द का भी बाज़ारीकरन हो गया है मूल्यों का आस्था का प्रकाशन तथा मानवता का अंकुरण नहीं हो रहा है। व्यवसायीकरण ने संवेदनाओं को समाप्त कर दिया है। ज़रूरत है - करुणा मैत्री सेवा सहयोग सहिष्णुता और संकल्पशीलता की। युवा देश का मुस्तकबिल है आप की दिशा हे आपकी दशा का निर्धारण करती है।आपने चंद्रगुप्त का मेंटर चाणक्य को बताते हुए कहा कि हर राह चुनौतियाँ हैं लेकिन उनसे आगे जाकर नव निर्माण करना है।

मुख्य विषय विशेषज्ञ डॉ पूनम तिवारी ने स्वयं लिखी हुई पंक्तियों से अपनी बात शुरू की- जब भटकती सी लगे राहे डगर तू आकर मुझसे मिल ना कर फ़िकर आपने छात्राओं के साथ इंटरैक्टिव सेशन करते हुए बताया की हम स्तिथि परिस्तिथि में मेंटर व मेंटी दोनों की भूमिका पल पल में निभाते है। आपने डेमन्स्ट्रेट करते हुए सात स्टेप्स बताये- मेंटी अपने मेंटर से क्या और कितनी सलाह चाहता है आई क्यू लेवल स्वयं को समझना सुनना कम्यूनिकेशन अपना मेंटर कैसा चाहिए संज्ञानात्मक विकास अर्थात् जो हमारे परिवेश का ज्ञान कराए तथा मेंटर- मेंटी इफ़ेक्टिव रिलेशनशिप। गुरु कुम्हार शिष्य कुम्भ है कहते हुए आपने कहा कि लड़कियों को गुड मेंटर होना चाहिए।

प्राचार्या डॉ० अंजु शर्मा ने छात्राओं को अपने उद्बोधन से प्रोत्साहित करते हुए कर्मठ बनने की प्रेरणा दी और गुरु के महत्व को समझते हुए सफल जीवन की कामना की।

एसो० प्रो०-रसायन विज्ञानं एवं मुख्य अनुशाशन अधिकारी रीता दीक्षित डॉ० राज्यश्री मिश्रा (एसो० प्रो०- संस्कृत) डॉ० सीमा शर्मा (असिस्टेंट प्रोफ़ेसर-समाजशास्त्र) ने अतिथिजनों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। श्रीमती अंकिता ठाकुर (असिस्टेंट प्रोफ़ेसर-राजनीति विज्ञानं) श्रीमती निशा (असिस्टेंट प्रोफ़ेसर-समाजशास्त्र) ने सरस एवं प्रभावपूर्ण संचालन करते हुए तथा श्रीमती माया मधुर (असिस्टेंट प्रोफ़ेसर- राजनीति विज्ञानं) द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यशाला का सफल सह संयोजन किया गया।

समाचार पत्रों में प्रकाशित खबर

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत मेंटॉरिंग और काउन्सलिंग प्रकोष्ठ की हुई कार्यशाला

स्वदेश संवाददाता ■फिरोजाबाद

महात्मा गाँधी बालिका विद्यालय (पीजी) कॉलेज के तत्वावधान में नई शिक्षा नीति के अंतर्गत मेंटॉरिंग एवं काउन्सलिंग प्रकोष्ठ के द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का शुभारम्भ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ अंजु शर्मा, डॉ अनुराग पालीवाल आगरा कॉलेज, आगरा, डॉ बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय के मेंटॉरिंग एवं काउन्सलिंग प्रकोष्ठ की सदस्या डॉ पूनम तिवारी ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यशाला की संयोजक तथा कोऑर्डिनेटर डॉ निशा शर्मा ने कहा कि उच्च शिक्षा लेते समय विद्यार्थी ऐसी दहलीज पर होता है, जब उसे अपना कैरियर चुनना होता है। आज के दौर में रोजगार में मुश्किलें हैं, ऐसे में मेंटर उसके हुनर और काबिलियत को समझकर रास्ता दिखाने में मद कर सफलता की ओर उन्मुख करने का प्रयास करता है। कार्यशाला के मुख्य विषय विशेषज्ञ डॉ. अनुराग पालीवाल ने प्रेरणात्मक कविता एवं उपनिषद से अपनी बात आरम्भ करते हुए कहा कि सदियों से भारत में गुरु जो शिक्षा देते आए हैं, वही आज मेंटर नाम से सम्बोधित किए जा रहे हैं। माँ, पिता, आचार्य यानि कि गुरु जो अंधेरे से प्रकाश की ओर ले जाये, वही मेंटर है। मुख्य विषय विशेषज्ञ पूनम तिवारी ने स्वयं लिखी हुई पंक्तियों से अपनी बात शुरू की। जब भटकती सी लगे राहें डगर, तू आकर मुझसे मिल जा कर फिकर। छात्राओं के साथ इंटरैक्टिव सेशन करते हुए बताया की हर स्थिति परिस्थिति में मेंटर व मेंटी दोनों की भूमिका पल-पल में निभाते हैं। प्राचार्या डॉ अंजु शर्मा ने छात्राओं को अपने उद्बोधन से प्रोत्साहित करते हुए कर्मठ बनने की प्रेरणा दी। वहीं गुरु के महत्व को समझते हुए सफल जीवन की कामना की। वहीं एसो. प्रो. रीता दीक्षित, डॉ राज्यश्री मिश्रा, डॉ सीमा शर्मा ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रो. अंकिता ठाकुर व निशा ने किया। माया मधुर ने सभी आगुंतकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यशाला में मौजूद महात्मा गाँधी बालिका विद्यालय (पीजी) कॉलेज प्राचार्या डॉ अंजु शर्मा एवं संभ्रांत अतिथिगण

महात्मा गांधी बालिका विद्यालय में हुई कार्यशाला

फिरोजाबाद। महात्मा गाँधी बालिका विद्यालय (पीजी) कॉलेज के तत्वावधान में नई शिक्षा नीति के अंतर्गत मेंटॉरिंग एवं काउन्सलिंग प्रकोष्ठ के द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ अंजु शर्मा, डॉ अनुराग पालीवाल आगरा कॉलेज, आगरा, डॉ बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय के मेंटॉरिंग एवं काउन्सलिंग प्रकोष्ठ की सदस्या डॉ पूनम तिवारी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यशाला की संयोजक तथा कोर्डिनेटर डॉ निष्ठा शर्मा, कार्यशाला के मुख्य विषय विशेषज्ञ डॉ. अनुराग पालीवाल, पूनम तिवारी, एसो. प्रो. रीता दीक्षित ने विचार रखे। इनके अलावा डॉ. राज्यश्री मिश्रा, डॉ सीमा शर्मा ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रो. अंकिता ठाकुर व निशा ने किया। माया मधुर ने सभी आगुंतको का धन्यवाद ज्ञापित किया।

27.02.2023

(डॉ0 अन्जु शर्मा)

प्राचार्या

(डॉ0 निष्ठा शर्मा)

कोर्डिनेटर

मेंटरिंग एवं काउन्सलिंग प्रकोष्ठ